श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 6, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

# अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज मंगलवार 11 अगस्त, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

## बगावत छोड़ कांग्रेस में लौटे सचिन पायलट, अगले विधानसभा चुनाव में पायलट होंगे सीएम चेहरा

**नई दिल्ली।** पिछले एक महीने से बगावती तेवर अपनाए बैठे सचिन पायलट अब हठ छोड़ कांग्रेस की राह चलने को तैयार हैं। राजस्थान विधानसभा सत्र से ठीक पहले अचानक तेज हुए राजनीतिक घटनाक्रम के तहत कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी ने सोमवार को पायलट को बुलाकर सीधी बातचीत की। इसमें पायलट ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ शिकायतों का पिटारा खोला तो हाईकमान ने समाधान निकालने का भरोसा दिया। पायलट ने भी कांग्रेस के साथ अपनी सियासी पारी जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

हाईकमान ने भी पायलट व उनके समर्थक विधायकों की शिकायतों पर गौर कर हल निकालने के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाने की घोषणा कर दी। जाहिर है कि इस बहाने कांग्रेस ने राजस्थान विधानसभा में नंबर गेम को साधने की कोशिश की है। अपने खेमे के साथियों का समर्थन खोते जा रहे सचिन के लिए भी पार्टी की छतरी में रहना ही ज्यादा सुरक्षित है। राहुल गांधी के निवास पर करीब दो घंटे से अधिक चली बैठक में पायलट ने अपने साथ बागी विधायकों की वापसी के फॉमूर्ले पर हाईकमान से सीधी बातचीत की। सुलह बैठक की मुख्य सूत्रधार रहीं प्रियंका गांधी भी इस दौरान पूरे समय न केवल मौजूद रहीं बल्कि बागियों की वापसी में आ रही अड़चनों को दूर करने में भी खासी सक्रिय दिखीं।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि हाईकमान ने बगावत छोड़ने को राजी हुए सचिन पायलट को कांग्रेस में उनकी प्रतिष्ठा के हिसाब से पद देने का वादा किया है। साथ ही वापस लौटने वाले उनके समर्थक विधायकों को भी राजस्थान सरकार और प्रदेश संगठन में उचित जगह मिलेगी। बगावत की वजह से मंत्री पद से बर्खास्त किए गए विधायकों को दोबारा मंत्री बनाए जाने की संभावना है। हालांकि पायलट और उनके समर्थकों को तत्काल पद नहीं मिलेगा बल्कि शिकायतों पर गौर करने के लिए बनी समिति की रिपोर्ट के आधार पर सुलह का आखिरी फॉमूर्ला निकलेगा।

पायलट की डिप्टी सीएम और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के दोहरे पद पर वापसी की गुंजाइश बहुत कम है, लेकिन अगले चुनाव में कांग्रेस का सीएम चेहरा घोषित करने से लेकर एआइसीसी में महासचिव बनाने जैसे विकल्प पायलट के लिए जरूर खुले हुए हैं। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने देर शाम बयान जारी कर पायलट के कांग्रेस की राह पर लौटने की घोषणा करते हुए इस आशय का साफ संदेश भी दिया। उनके अनुसार पायलट ने सोमवार को राहुल गांधी से मुलाकात में सभी शिकायतों पर खुली-बेबाक और निर्णायक बातचीत की। पायलट ने इस दौरान कांग्रेस पार्टी और राजस्थान की कांग्रेस सरकार के हित में काम करने की प्रतिबद्धता जताई।

वेणुगोपाल ने कहा कि राहुल-सचिन की बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने फैसला किया है कि पायलट और असंतुष्ट विधायकों की शिकायतों पर गौर कर उनका उचित हल निकालने के लिए एआइसीसी की तीन सदस्यीय समिति गठित की जाएगी। विधायकों के लौटने की तैयारी शुरू हाईकमान से मुलाकात के कुछ घंटों बाद ही पायलट समर्थक विधायकों के भाजपा शासित हरियाणा के मानेसर स्थित होटल से जयपुर लौटने की तैयारी शुरू हो गई।

पायलट गुट के एक विधायक ने जयपुर जाकर अशोक गहलोत से मुलाकात कर बागियों की सुलह को लेकर गंभीरता का संदेश दिया। राजस्थान की सत्ता में निष्कंटक बने रहने के लिए बागी विधायकों की वापसी की जरूरत को देखते हुए जहां गहलोत ने सुलह की हामी भरी, वहीं ज्योतिरादित्य सिंधिया की तरह बगावत को सिरे चढ़ाने में नाकाम रहे पायलट के पास भी मौजूदा हालात में अपना राजनीतिक करियर बचाने के लिए कांग्रेस में लौटने के अलावा बेहतर विकल्प नहीं था।

गहलोत को मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग उन्हें छोड़नी पड़ी। उनके साथी 18 विधायक भाजपा में जाने को राजी नहीं थे। इनमें छह विधायक वापस लौटने के लिए गहलोत से संपर्क में थे। पायलट समर्थकों के पास विधानसभा की सदस्यता बचाने के लिए बगावत से लौटने के अलावा कोई चारा नहीं था। विश्वास मत के खिलाफ बागी विधायक वोटिंग करते तो उनकी सदस्यता का खत्म होना तय था। जाहिर तौर पर पायलट के समक्ष अपनी सियासी प्रतिष्ठा बचाने के लिए सुलह का रास्ता ही बच गया थो।

## कश्मीरी पंडितों ने अमेरिका में चीन के खिलाफ बुलंद की आवाज, कहा- सख्ती से पेश आए भारत

**वाशिंगटन, एएनआइ।** अमेरिका में कश्मीरी पंडितों से जुड़ी संस्था ग्लोबल कश्मीरी पंडित डायसपोरा (जीकेपीडी) ने कहा कि भारत को चीन के साथ सख्ती से पेश आने की जरूरत है। जीकेपीडी द्वारा आयोजित वर्चुअल परिचर्चा में चर्चित भारतवंशी लेखक राजीव मल्होत्रा ने कहा कि चीन भरोसे के लायक नहीं है। वह सख्ती की भाषा ही समझता है। उन्होंने चीन के साथ व्यापार को लेकर भारत और अमेरिका द्वारा उठाए गए कदमों का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि तिब्बत पर भारत को अब मुखर होना चाहिए। तिब्बत की निर्वासित संसद के सदस्य दोरजी सेतेन ने कहा कि इस साल तिब्बत पर चीन के कब्जे के 70 साल हो गए। दुनिया को हमारी मदद करनी चाहिए। वर्तमान कश्मीर से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित चर्चा में पाकिस्तान को भी बेनकाब किया गया। जीकेपीडी के संस्थापक सदस्य मोहन सप्रू ने दुनिया से अपील की कि वे पाकिस्तान और चीन का असली चेहरा पहचानें। उधर, वाशिंगटन और उसके आस-पास के क्षेत्रों में भारतीय-अमेरिकियों के एक समूह ने चीन की आक्रमकता और अशांत शिनजियांग क्षेत्र में उइगर अल्पसंख्यक समूह के मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ यहां प्रदर्शन किए। प्रदर्शनकारी रविवार को यूएस कैपिटल के सामने स्थित ऐतिहासिक राष्ट्रीय मॉल पर एकत्रित हुए। चीन विरोधी पोस्टर, बैनरों से लैस प्रदर्शनकारियों ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना और उसके नेताओं के खिलाफ नारेबाजी की विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि इन गर्मियों में जब पूरी दुनिया कोरोना महामारी से लड़ रही थी चीन दूसरे की जमीन पर क?जा करने की कोशिश कर रहा था। चीन केवल लद्दाख में ही नहीं दूसरे क्षेत्रों में भी ऐसा ही कर रहा है। वक्त आ गया है कि दुनिया चीनी आक्रमता के खिलाफ एकजुट हो। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने उइगर समुदाय के धार्मिक अधिकारों का हनन किया है।

## दुनिया में संक्रमितों का आंकड़ा दो करोड़ के पार, अमेरिका, ब्राजील और भारत में दुनिया के आधे से अधिक केस

**लंदन, एजेंसियां।** अमेरिका, ब्राजील और भारत समेत कई देशों में तेजी से बढ़ते मामलों के साथ ही दुनिया में कोरोना संक्रमितों की संख्या दो करोड़ को पार कर गई है जबकि 7.30 लाख से अधिक मौतें हो चुकी हैं। पिछले साल के आखिर में कोरोना का मामला चीन के वुहान शहर में सामने आया था। तब से दुनिया इस भीषण महामारी से जूझ रही है। पहले मामले से एक करोड़ संक्रमितों तक पहुंचने में छह महीने का वक्त लगा था लेकिन एक करोड़ से दो करोड़ तक संक्रमितों का आंकड़ा पहुंचने में मात्र 43 दिन लगे।

विश्व के कुल मामलों में से आधे अकेले अमेरिका (50 लाख), ब्राजील (30 लाख) और भारत (20 लाख) में ही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि असल आंकड़ा कहीं अधिक होगा क्योंकि ऐसे देशों की बहुत बड़ी संख्या है जहां इस महामारी का पता लगाने के लिए जांच की सुविधाओं की बेहद कमी है। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि उन देशों को भी सतर्कता बरतनी होगी जहां महामारी पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा चुका है।

दूसरे दौर की कोरोना महामारी के बढ़ते खतरे से जूझ रहे ऑस्ट्रेलिया में एक दिन में रिकॉर्ड 19 पीड़ितों की मौत हुई है। ये सभी मौतें विक्टोरिया प्रांत में हुई। इसी प्रांत में संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। देशभर में 322 नए संक्रमित पाए गए। हालांकि गत 12 दिनों में नए मामलों की यह सबसे निम्न संख्या है। ऑस्ट्रेलिया में अब तक कुल 9,365 संक्रमित पाए गए हैं। जबकि 314 की जान गई है।

ब्राजील में महामारी की मार बढ़ती ही जा रही है। देश में रविवार को 572 पीड़ितों की मौत से मरने वालों का आंकड़ा एक लाख एक हजार 49 हो गया है। 23 हजार 10 नए के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 30 लाख 35 हजार से अधिक हो गया है। वहीं मेक्सिको में रविवार को 4,376 नए कोरोना रोगियों के मिलने से संक्रमित लोगों की कुल संख्या बढ़कर चार लाख 80 हजार से अधिक हो गई। 292 और मौतों के साथ मरने वालों की संख?या 52 हजार 298 हो गई है।

इजरायल : सात पीड़ितों की मौत से मरने वालों की संख्या 600 हो गई है। 678 नए मामले पाए जाने से संक्रमितों का आंकड़ा 83 हजार हो गया है। संयुक्त अरब अमीरात : 225 नए कोरोना रोगी पाए जाने से संक्रमित लोगों की तादात 62 हजार 525 हो गई। 357 पीड़ितों की जान गई है। पाकिस्तान : 539 नए संक्रमित मिलने से कुल मामले दो लाख 84 हजार से ज्यादा हो गए। अब तक कुल 6,097 रोगियों की मौत हुई है। रूस : अब तक कुल आठ लाख 92 हजार संक्रमित पाए गए। जबकि 15 हजार की मौत हुई। इनमें से 4,585 पीड़ितों की जान अकेले मॉस्को में गई।

## इस बार दो दिन मनेगी जन्माष्टमी, जानें पूजा मुहूर्त

**नई दिल्ली।** भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्योत्सव यानी श्रीकृष्ण जन्माष्टी इस बार दो दिन मनाई जाएगी। लेकिन लोगों में पूजा मुहूर्त को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, अष्टमी तिथि 11 अगस्त, मंगलवार को सुबह करीब 10 बजे लग जाएगी और 12 अगस्त को यह सुबह करीब 11 बजे तक रहेगी। ऐसे में कोई 11 को ही जन्माष्टमी व्रत कर रहा है तो कोई 12 अगस्त को।

जानकारों के अनुसार, ग्रहस्थ लोगों के लिए 12 अगस्त को जन्माष्टमी का व्रत करना ज्यादा ठीक रहेगा। क्योंकि पूजन-विधान में उदया तिथि का महत्व होता है जो कि 12 अगस्त को पड़ रही है। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्योत्सव के संकेत स्वरूप 12 अगस्त की रात 12 बजे ही जन्माष्टी का पूजन होगा। हालांकि इस बार अष्टमी तिथि के दिन रोहणी नक्षत्र नहीं है ऐसे में भक्तों का पूजा मुहूर्त को लेकर असमंजस में होना स्वाभाविक बात है। हिंदू धर्म मान्यताओं के अनुसार, भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को ही श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। जन्माष्टमी के दिन लोग भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उपवास रखने के साथ ही भजन-कीर्तन और विधि-विधान से पूजा करते हैं। भगवान श्री कृष्ण के जन्म के समय रात 12 बजे अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र था। ज्योतिषियों के अनुसार जन्माष्टमी का दान 11 अगस्त को और 12 अगस्त को पूजा और व्रत रखा जा सकता है। 12 अगस्त को पूजा का शुभ समय रात 12 बजकर 5 मिनट से लेकर 12 बजकर 47 मिनट तक है। अर्थात पूजा की अवधि 43 मिनट तक रहेगी। अष्टमी तिथि- 11 अगस्त 2020, मंगलवार - अष्टमी तिथि शुरू - 09:06, 12 अगस्त 2020, बुधवार - अष्टमी तिथि समाप्त - 11:16,

जन्माष्टमी पूजा मुहूर्त- 12 अगस्त 2020, बुधवार - रात 12:05 बजे से 12:47 बजे तक।

### जन्माष्टमी पूजा विधि

जन्माष्टमी के दिन पूजन सामग्री जैसे, पंचामृतम, भोग, हवन, पंजीरी, प्रसाद, आदि तैयार करके रखा जाता है। पूरे दिन व्रत रखने के बाद रात को 12:05 बजे (मुहूर्त) और चांद निकलने का इंतजार किया जाता है। माना जाता है कि जैसे चांद निकलता है वैसे भगवान श्रीकष्ण का प्राकट्योत्सव आरंभ होता है। पंडित के बताए मुहूर्त के समय या चंद्रमा निकलने के बाद भगवान श्रीकष्ण के विग्रह स्वरूप को गंगाजल, दूध, दही, पंचामृतम, घी आदि से स्नान कराना चाहिए। इसके बाद विधिवत पुष्प, अक्षत, चंदन आदि से पूजा करने साथ ही आरती करना चाहिए। फिर भोग लगाने के बाद प्रसाद बांटना चाहिए। कुछ देर तक चाहें तो भगवान के भजन या कीर्तन भी सुन/गा सकते हैं। इसके बाद भगवान को भोग लगने के बाद खुद प्रसाद लें और व्रत का पारण करें।

## छह बसपा विधायकों के कांग्रेस में विलय पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

**नई दिल्ली, पीटीआइ।** सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान में बसपा के छह विधायकों के कांग्रेस में विलय होने को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई करने का फैसला किया है। जस्टिस अरुण मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि वह हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिका पर छह विधायकों द्वारा अलग से दायर याचिका के साथ आज मंगलवार को सुनवाई करेगी। मालूम हो कि राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल हुए बसपा के छह विधायकों के कांग्रेस विधायक के रूप में काम करने पर रोक लगाने से इंकार कर दिया है। भाजपा विधायक मदन दिलावर ने उच्च न्यायालय के इसी आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। वहीं छह विधायकों ने अलग से दाखिल अपनी याचिका में सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई है कि हाईकोर्ट में लंबित दिलावर की याचिका को वह अपने यहां स्थानांतरित करे। दिलावर ने अपनी याचिका में बसपा विधायकों को पार्टी व्हिप का उल्लंघन करने की वजह से अयोग्य घोषित करने का अनुरोध किया है। दिलावर ने हाईकोर्ट की खंडपीठ के छह अगस्त के आदेश को चुनौती है जिसमें एकल न्यायाधीश के आदेश के खिलाफ उनकी याचिका का निस्तारण कर दिया गया था। अदालत ने छह विधायकों के कांग्रेस एमएलए के रूप में काम करने पर रोक लगाने से इंकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट में दिलावर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने कहा कि विधान सभा अध्यक्ष ने इन विधायकों का कांग्रेस में विलय स्वीकार करके पिछले साल सितंबर में आदेश पारित किया था। बसपा का कहना है कि उसने कभी कोई विलय नहीं किया। साल्वे ने छह विधायकों की याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित होने का भी उल्लेख किया। पीठ ने कहा कि वह दोनों मामलों पर मंगलवार को सुनवाई करेगी।

## सुप्रीम कोर्ट से रिया की गुहार, बलि का बकरा न बनाया जाए

**नई दिल्ली।** अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में जांच का सामना कर रही अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि राजनीतिक कारणों से सुशांत की मौत को तूल दिया जा रहा है। रिया ने कोर्ट से संरक्षण की गुहार लगाते हुए कहा है उसे 'राजनीतिक एजेंडे के लिए बलि का बकरा न बनाया जाए।' रिया ने यह भी कहा है कि बिहार पुलिस को मामले की जांच करने का कानूनन अधिकार नहीं है ऐसे में वह जांच सीबीआइ को कैसे दे सौंप सकती है। रिया ने कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट मामले की जांच सीबीआइ को देता है तो उसे कोई आपत्ति नहीं है लेकिन उसमें भी मामले का क्षेत्राधिकार मुंबई का होगा, न कि पटना। रिया ने ये बातें सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किए गए हलफनामे में कही हैं। रिया ने यह अतिरिक्त हलफनामा कोर्ट मे लंबित अपनी ट्रांसफर याचिका में दाखिल किया है। रिया की ओर से दाखिल ताजा हलफनामे में कहा गया है कि सुशांत सिंह राजपूत की दुखद मौत बिहार चुनाव के ठीक पहले हुई है। उसकी मौत को मीडिया बहुत बढ़ा-चढ़ा कर चला रहा है। मीडिया चैनल सुशांत की मौत के मामले में गवाहों का परीक्षण कर रहे हैं। सुशांत की मौत के पीछे कुछ साजिश थी कि नहीं यह साबित होने से पहले ही मीडिया ने उसे दोषषी ठहरा दिया। इस बीच, सुशांत मामले में बिहार व महाराष्ट्र के बीच वार-पलटवार का सिलसिला चरम पर है। शिवसेना सांसद संजय राउत को बिहार के डीजीपी गुप्तेश्वर पांडेय ने एक बार फिर ट्वीट कर शायराना अंदाज में जवाब दिया है। उन्होंने लिखा 'सर में मुश्किलें आएं, तो जुर्रत और बढ़ती है! अगर रास्ता कोई रोके तो हिम्मत और बढ़ती है! अगर दुश्मन समझ कर, मुझको कोई गाली देता है! सच कहूं उससे मुहब्बत और बढ़ती है!

## राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से मिले जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा

**नई दिल्ली।** नए उपराज्यपाल के रूप में जम्मू-कश्मीर की बागडोर संभालने के बाद मनोज सिन्हा अब दिल्ली दौरे पर हैं। सोमवार को उन्होंने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू से मुलाकात कर केंद्र शासित प्रदेश के ताजा हालात की जानकारी दी। माना जा रहा है कि सिन्हा जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से भी मुलाकात कर सकते हैं।

मंजे हुए राजनीतिज्ञ मनोज सिन्हा को जम्मू-कश्मीर का राज्यपाल बनाकर मोदी सरकार ने वहां नई राजनीतिक प्रक्रिया शुरू करने संकेत दिया था। माना जा रहा है कि सिन्हा इस मामले में केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा कर सकते हैं। चर्चा तो यहां तक है कि सिन्हा राजनीतिक प्रक्रिया को सुनिश्चित दिशा और ठोस आधार देने के लिए एक राजनीतिक सलाहकार परिषद (पॉलिटिकल एडवाइजरी कौंसिल) का गठन भी कर सकते हैं। जो उपराज्यपाल के अन्य सलाहकारों से अलग स्वतंत्र रूप में काम करेगा। इस राजनीतिक सलाहकार परिषद में जम्मू-कश्मीर के विभिन्न वर्गो और क्षेत्रों के लोगों को प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है। ध्यान देने की बात है कि अनुच्छेद 370 और 35ए निरस्त होने और जम्मू-कश्मीर के विभाजन व केंद्र शासित प्रदेश बनने से बाद से राज्य में राजनीतिक गतिविधियां बिल्कुल ठप हैं। वैसे तो पिछले साल पांच अगस्त को नजरबंद और गिरफ्तार किये गए अधिकांश राजनेताओं को रिहा कर दिया गया है, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती समेत कुछ राजनेता अब भी हिरासत में हैं। माना जा रहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के बीच नौकरशाही के बंटवारे के बाद सीटों की परिसीमन की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। परिसीमन के बाद राज्य में विधानसभा का चुनाव होगा। लेकिन राष्ट्रीय कांफ्रेंस और पीडीपी पूर्ण राज्य का दर्जा दिये जाने और अनुच्छेद 370 को वापस लाने की मांग पर अड़े हैं। जाहिर है राजनीतिक प्रक्रिया की शुरूआत आसान नहीं होगा। ऐसे में मनोज सिन्हा स्थापित दलों के अलावा नए राजनीतिक विकल्पों की तलाश कर सकते हैं।

उपराष्ट्रपति से मुलाकात करते मनोज सिन्हा

## छह स्वाति रडारों की खरीद पर फैसला आज

**नई दिल्ली, एएनआइ।** रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया अभियान को बढ़ावा देते हुए सेना जल्द छह स्वदेश निर्मित स्वाति रडार खरीदने वाली है। यह सौदा करीब 400 करोड़ रुपये का होगा। यह रडार हथियार की मौजूदगी तलाशने सक्षम है। इसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास परिषद (डीआरडीओ) ने विकसित किया है। छह स्वाति रडार खरीदने का फैसला संभवतः मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में होने वाली बैठक हो जाएगा।

डीआरडीओ द्वारा विकसित इस रडार का निर्माण भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड करता है। इस उपकरण के

विकास की सफलता यह होगी कि विदेश से भी इसकी आपूर्ति का आदेश जल्द मिलने के संकेत हैं। यह रडार 50 किलोमीटर की दूरी तक मौजूद दुश्मन के हथियारों-मोर्टार, उनके शेल, रॉकेट आदि ढूंढ़ने में सक्षम है। इतना ही नहीं एक साथ कई दिशाओं से हो रहे फायर की लोकेशन और उनके लिए हथियारों की जानकारी देने में भी यह रडार सक्षम है। भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर इस रडार का सफल परीक्षण किया है और अब इसका इस्तेमाल भी कर रही है। भारतीय सेना के पास यह रडार 2018 से है। मेक इन इंडिया अभियान को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना जल्द ही ऑटोमैटिक तोप की खरीद का आदेश भी दे सकती है। हाल ही में रक्षा मंत्री ने 101 रक्षा उपकरणों के आयात पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इन सभी की खरीद भारतीय कंपनियों से की जाएगी। यही नहीं चीन के साथ सीमा पर तनाव के बीच भारतीय सेनाओं ने इजरायली ड्रोन हेरोन यूएवी को और घातक बनाने के प्रपोजल को आगे बढ़ा दिया। चीता नाम के इस प्रोजेक्ट में सेना हेरोन को लेजर-गाइडेड बम, प्रेशिसन-गाइडेड म्यूनिशन और दुश्मनों के ठिकानों और बख्तरबंद रेजीमेंट के लिए एंटी टैंक मिसाइलों से लैस करना चाहती है। इस प्रोजेक्ट में सरकार के करीब 3500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। पूरी खबर पढ़ने के लिए क्लिक करें यह लिंक- लेजर बम और मिसाइलों से लैस होंगे लद्दाख में तैनात हेरोन ड्रोन ।

## गैंगस्टर से हथियार लेकर बेचने वाले श्रम मंत्रालय कर्मी समेत 2 दबोचे

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है जो यूपी के गैंगस्टर से हथियार लेकर दिल्ली के बदमाशों को बेचता था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी इंसारखान श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में जूनियर सांख्यिकी अधिकारी है। वह यूपी के बागपत के बकरपुर बलेनी गांव का रहने वाला है। उसके पास से कोलकाता की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में बनाई गई 0.32 बोर की ऑटोमैटिक पिस्टल, पांच कारतूस और एक मैगजीन बरामद हुई है।आरोपी ने बागपत के एक हिस्ट्रीशीटर दीपक से पिस्टल ली थी। दीपक अभी फरार है। दीपक ने यह पिस्टल हरियाणा के करनाल निवासी पारस चोपड़ा के चोपड़ा गन हाउस से खरीदी थी। क्राइम ब्रांच ने फर्जी लाइसेंस पर हथियार बेचने के मामले में पारस को भी गिरफ्तार कर लिया है। डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि सूचना मिली कि एक व्यक्ति उत्तर प्रदेश से हथियार लेकर दिल्ली के बदमाशों को बेचने के लिए आएगा। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने इंडिया गेट के पास तिलक मार्ग से आरोपी इंसार खान को दबोच लिया। पूछताछ में उसने बताया कि यह पिस्टल उसने हिस्ट्रीशीटर दीपक से ली थी। वह फर्जी आर्म्स लाइसेंस के जरिये गन हाउस से ऑटोमैटिक पिस्टल खरीदता है। इसके बाद पुलिस ने दीपक के घर से 14 कारतूस और पिस्टल की एक मैगजीन बरामद की। हालांकि, दीपक पुलिस को नहीं मिला। दीपक यूपी में विभिन्न आपराधिक मामलों में शामिल है। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने इस मामले में फर्जी लाइसेंस पर पिस्टल बेचने वाले हरियाणा के करनाल के चोपड़ा गन हाउस संचालक पारस चोपड़ा को गिरफ्तार कर लिया। वह ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में बनाए गए हथियारों को फर्जी हथियारों के लाइसेंस पर अपराधियों को बेच रहा था।

# ग्रामीण अंचल

प्रयागराज मंगलवार, 11 अगस्त, 2020

## संक्षेप समाचार

### बस्तर गांव में प्रधान ने लगवाया प्राइवेट ट्रांसफार्मर

**करछना।** क्षेत्र के बस्तर में ग्राम प्रदान द्वारा बिजली विभाग के कर्मचारियो की मिलीभगत से 25 केवीए और 10 केवीए का ट्रांसफार्मर लगवाकर अपने चहेतो को बिना कनेक्शन बिजली दे दिया है जिससे एक ओर जहां बिजली विभाग को लाखों का चूना लग रहा है वहीं पात्र कनेक्शनधारियों को लो वोल्टेज का भी सामना करना पड़ रहा है। जिसको लेकर गांव के ही अरूण कुमार ने मुख्यमंत्री को आनलाइन शिकायती पत्र देते हुए आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान द्वारा वोट बैंक की राजनीति के कारण अपने चहेतों को फ्री में सुविधा का लाभ दे रहे है। इस सम्बन्ध में ग्रामीणों ने विद्युत सबस्टेशन पर इसकी शिकायत की थी लेकिन विभाग की मिलीभगत व उदासीनता के कारण कोई कार्यवाही नही हुई।

# तालाब में भैंस नहलाते समय गहरे पानी में डूबने से मामा भांजे की मौत

**करछना।** तहसील क्षेत्र के सेमरी तालुका पुरवा का मजरा सनात का पूरा गांव में सोमवार को गांव के पास में ही तालाब में भैंस को धोने के लिए गए दो किशोर गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। गांव में केवला प्रसाद पाल का लड़का राजकुमार 18 वर्ष व राजकुमार का भांजा सत्यम 10 वर्ष निवासी नैनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत डांडी जो एक सप्ताह पहले ननिहाल आया था। सोमवार को दोपहर मामा राजकुमार के साथ सत्यम तालाब में भैंस को नहलाने गया था। भैंस गहरे पानी में चलीं गयी पानी तालाब में अधिक होने के कारण दोनों गहरे पानी में डूब गये। पास के कुछ बच्चो ने डूबते हुए देखा तो शोर मचाते गांव की ओर भाग कर परिजनों को जानकारी दी। गांव वालों ने किसी तरह से गहरे पानी में से दोनों को बाहर निकाला तब तक दोनों की सांसे थम चुकी थी। जिससे घर में कोहराम मच गया। इसकी जानकारी पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर परिजनो को सौप दिया।

### टकटैया गांव में हुयी हत्या में तीन को भेजा जेल

**करछना।** थाना क्षेत्र के टकटैया गांव में शुक्रवार रात दो पक्षों में रास्ते में जानवर बांधने को लेकर विवाद हो गया था जिसमें एक पक्ष द्वारा दो सगे भाईयों पर जानलेवा हमला किया गया था जिसमें से एक भाई अनिल कुमार की मौत हो गयी थी जबकि दूसरा भाई अभी भी आईसीयू में भर्ती है जिसकी हालत नाजुक बनी हुयी है। दूसरे दिन पोस्टमार्टम के बाद शव दफनाने ले जा रहे परिजनों ने प्रयागराज मिजार्पुर हाइवे पर चक्काजाम कर दिया था परिजनों ने गांव के ही चार लोगो के खिलाफ लिखित तहरीर दी थी। करछना इंस्पेक्टर सुरेन्द्र वर्मा ने बताया कि पुलिस ने तीन लोगों जिसमें भगवत गुप्ता व उनका लड़का ओम प्रकाश व बेटी शांती देवी को गिरफ्तार किया था। जिनको सोमवार को जेल भेज दिया गया है।

मामा भांजे की मौत के बाद इकट्ठा ग्रामीणों की भीड़

# कारपोरेट भगाओ, किसानी बचाओं को लेकर मजदूरों ने निकाली रैली

**घूरपुर।** के.ए.आई.के एस सी सी द्वारा कारपोरेट भगाओ, किसानी बचाओं अभियान के अंतर्गत किसानों, बालू मजदूरों, खेत मजदूरों, पत्थर खनन मजदूरों, मछुआरों की बीकर, घूरपुर, जगदीशपुर, भमौर, अमिलिया, बसवार, जसरा, रेरा, रेही, सड़वां, और कौशांबी उजहिनी मैनापुर समेत कई गांवों में विरोध सभायें आयोजित की गई। सभाओं में वक्ताओं ने कहा कि यमुना नदी में हजारों लोगों को बेरोजगार करने वाला वह आदेश, जिसने बोट से खनन पर रोक लगाई है पूरी तरह तालिबानी है। सभा में नारे उठे कि डीजल पेट्रोल के दाम घटाओ,पुराना केसीसी माफ करो, नया केसीसी बिना ब्याज के दो, माइक्रोफाइनेन्स के समूह कर्जों का ब्याज माफ हो, सबके लिए भोजन, कार्ड हो ना हो, प्रति यूनिट 15 किलो अनाज, मनरेगा में 200 दिन का न्यूनतम मजदूरी पर काम; सब के लिए अस्पताल में इलाज, गरीब बच्चों के स्कूल खोले जाने, कोरोना संकट दौर से निपटने के लिए दस हजार रुपये प्रति माह का सहयोग तथा सब्जी, फल, मछली व मुर्गी पालन में घाटे की भरपाई की मांग की गई। वक्ताओं ने दमन रोकने, जनविरोध को अनुमति देने की, धारा 144, गैंगेस्टर, गुण्डा, महामारी, यूएपीए व एनएसए तथा सीएए विरोधियों पर दर्ज फर्जी केस वापस लेने और भीमा कोरेगांव मामले में गिरफ्तार बुद्धि जीवियों को रिहा करने मांग की गई। बैठकों में कारपोरेट का पुतला दहन किया गया। वक्ताओं में प्रेमचंद, अरविंद कुमार, मालती देवी, दीपचंद, धर्मेश शर्मा, सुरेश कुमार, विनोद, पप्पू निषाद, रामाश्रय, सुनीता देवी, गीता देवी, विमला देवी आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित थे ।

कारपोरेट का पुतला फूंकते मजदूर

### शिक्षक भी हो रहे कोरोना पाजिटिव संक्रमण का बढ़ा खतरा

**करछना।** कोरोना का संक्रमण दिन प्रतिदिन फैलता जा रहा है और एतिहात न बरतने के कारण संक्रमण तेजी से फैलता जा रहा है। इसकी जद में सरकारी विभाग के कर्मी भी आ रहे है। विकास खण्ड करछना के बघेड़ाए ढोलीपुरए अरईए मेड़रा समेत कई परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक की भी कोरोना रिपोर्ट पाजिटिव आयी है। न तो विद्यालयों का सैनेटाइजेशन किया जा रहा है और न ही विद्यालय को सील किया गया है। अभी तो बच्चों की कक्षाएं नही चल रही है लेकिन विभाग द्वारा प्रवेश व अन्य जरूरी सूचनाएं कार्यो के लिए विद्यालयों को खोला जा रहा है जिससे सूचना देने आने वाले बच्चों में संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है। शिक्षकों का कहना है कि जब विद्यालयों में पठन पाठन का कार्य नही चल रहा है तो ऐसे में विद्यालयों को खोलने का कोई औचित्य ही नही है। इस संक्रमण काल में एतिहात बरतना जरूरी है।

# सीमेंट फैक्ट्री में और मिले दस पॉजिटिव कुल 41 का पहुंचा आंकड़ा

**जसरा।** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसरा में कोरोना जांच के बाद लगातार सड़वा गांव स्थित सीमेंट फैक्ट्री में संक्रमितों की संख्या निरंतर बढ़ने से फैक्ट्री कर्मचारियों के साथ साथ अगल बगल के गांवों में दहशत उत्पन्न हो गया है। सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा में आज सप्ताह भर में ही जय प्रकाश सीमेंट फैक्ट्री में कोरोना पाजिटिवों के मिलने का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को जसरा में कुल एक सौ दस लोगों ने कोरोना जैसी वैश्विक महामारी की जांच कराया। जिसमें जे०पी०सीमेंट फैक्ट्री सड़वा के दस कर्मचारी कोरोना

पाजिटिव पाये गये। वहीं फैक्ट्री के अंदर व आसपास के गांवों रेही, बैजला, खुटरिया, सड़वा, कांटी आदि गांवों में रहने वाले लोगों के बीच डर व तनाव का माहौल बना हुआ है । अब तक कुल 41 लोगों को कोरोना पाजिटिव पाया गया है। फैक्ट्री में संक्रमितों की बढ़ती हुई संख्या से लोग काफी घबराये हुए हैं।

# घूरपुर के बगबना में दो को कोरोना पाजिटिव, मचा हड़कंप

**घूरपुर।** चाका विकास खंड के घूरपुर थाना अंतर्गत बगबना गांव मे जांच के बाद रविवार की देर शाम को दो युवकों की कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आई है। जिससे गांव में हड़कंप हो गया है। प्रधान के सूचना के बावजूद स्वास्थ्य टीम और राजस्व कर्मी नही पहुंचे जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है। बगबना गांव निवासी मंगला प्रसाद पटेल व राम सिंह पटेल दोनों कौंधियारा थाना क्षेत्र के सड़वा गांव स्थित जेपी सीमेंट फैक्ट्री के कर्मचारी है। दोनों की स्वास्थ्य खराब होने पर रविवार के दिन अस्पताल में जांच कराए तो देर शाम दोनों की रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव आ गई। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। कोरोना पाजिटिव रिपोर्ट आने के बाद गांव में हड़कंप हो गया। रविवार रात व सोमवार को भी कई बार प्रधान शीतला प्रसाद पांडेय ने स्वास्थ्य विभाग को कई बार सूचना दिया। बावजूद स्वास्थ्य टीम व राजस्व कर्मी नहीं पहुंचे। और ना ही परिजनों का ही जांच कराया गयाऔर ना ही गांव बस्ती को सीज ही किया गया। गांव में पूर्ववत ही लोग रह रहे है। जिससे खतरा बना हुआ क इस उदासीनता को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

### युवा समाजसेवी जन-जन तक पहुँचा रहें हरियाली का संदेश

**करमा।** वृक्ष हमारे जीवन का मूल आधार होते हैं बिना प्रकृति एवम पर्यावरण के जीवन की कल्पना करना महामूर्खता की पहचान हैं इसीलिए वृक्षलगाये जीवन बचायें उक्त बातें कल विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण के दौरान युवा समाजसेवी एवम भारतीय जनता पार्टी जसरा मंडल के मीडिया ठाकुर राजन प्रताप सिंह नें कहीं । वृक्षारोपण के दौरान ही भाजपा जिला महामंत्री यमुनापार श्रीमती सविता त्रिपाठी नें भी वृक्षों से जुड़ी अनेकों महत्ता पर बल देते हुए हुए सभी लोगों से पाँच -पाँच पौधा रोपने के लिए आग्रह की। कार्यक्रम के अंत में वृक्षारोपण के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता रमाकांत विश्वकर्मा नें युवा समाजसेवी राजन सिंह के कार्यों की प्रशंसा करतें हुए अन्य लोगों राजन से प्रेरणा लेनें की बात कहीं । करमा क्षेत्र के बरौली, बगहा, ग्लासफैक्ट्री, इरादतगंज, बादलगंज आदि क्षेत्रों में परिजात, कदम्ब, चितवन, तुलसी आदि के पौधे रोपे गये।

# कोरोना संक्रमित पाए जाने से हड़कप

**लालापुर।** लालापुर थाना क्षेत्र के पंडुआ गांव में कोरोना पॉजिटिव मिलने से हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार सायबन 14 वर्ष पुत्र इकलाख हुसैन, मो०मुसरत 35 वर्ष पुत्र इकलाख हुसैन निवासी ग्राम पंडुआ, थाना लालापुर, प्रयागराज कुछ दिन पूर्व मुंबई से वापस अपने गांव पंडुआ आये थे और कोरोना की जांच करवाये थे जिसकी प्रथम रिपोर्ट निगेटिव आई। जब दूसरी जांच हुई तो उसकी रिपोर्ट रविवार को पॉजिटिव आ गई जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जिसे स्वास्थ्य विभाग ने उपचार के लिए प्रयागराज भेज दिया और घर को सील करते हुए सभी सदस्यों को होम कोरन्टीन किया गया।

कोरोना मरीज मिलने के बाद एरिया को किया गया सील

### संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

**करछना।** थाना क्षेत्र के कुलमई गांव में एक विवाहित युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। परिजनों के मुताबिक युवक ने फांसी के फंदे से झूलकर आत्महत्या की है लेकिन मृतक की पत्नी का आरोप है कि परिजनों ने उसकी हत्या की है जिसको लेकर मृतक युवक की पत्नी एफआईआर दर्ज कराने को लेकर थाने को चक्कर लगाने को विवश है लेकिन उसकी कहीं सुनवाई नही हो रही है। कुलमई गांव निवासी विपिन यादव पुत्र अशोक यादव की शादी एक वर्ष पहले डीहा गांव निवासी सीमा यादव पुत्री कन्हैयालाल यादव से हुयी थी। महिला का आरोप है कि ससुरालीजन शादी के बाद से लगातार दहेज में कार व लाखों रुपए अतिरिक्त की मांग करते रहे और मारपीट कर प्रताड़ित करते थे और मांग पूरी न करने पर अपने पुत्र की दूसरी शादी करने की भी बात करते थे। लेकिन पति बीच बचाव कराता था और अपनी पत्नी का पक्ष लेता था जिससे उसके परिजन उससे खिलाफ थे। मृतक की पत्नी का कहना है कि उसके ससुर और सौतेली सासए देवरए ननद सभी ने मिलकर हत्या कि फिर गले में रूमाल से लटकाकर आत्महत्या का प्रपंच रचा गया। सीमा देवी के ससुर पूर्व में अपनी पहली पत्नी की हत्या में सजा काट चुके है और दूसरी औरत से शादी के बाद मार के भगा दिया तीसरी शादी दो बच्चो की मां से किया है। महिला ने एसएसपी प्रयागराज को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।

## हाईकोर्ट समाचार

### करोड़ों की बैंक धोखाधड़ी के आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

**प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फर्जी दस्तावेज से करोड़ों का बैंक लोन लेकर धोखाधड़ी करने के आरोपी अमित वर्मा की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति सुनीत कुमार ने दिया है। अर्जी पर अधिवक्ता अखिलेश कुमार सिंह व सीबीआई की तरफ से अधिवक्ता संजय कुमार यादव ने बहस की। याची का कहना था कि बैंक धोखाधड़ी के मुख्य आरोपी नितिन अरोड़ा व ईश्मा अरोड़ा है। उसे फंसाया गया है। नई दिल्ली सीबीआई थाने में धोखाधड़ी व षडयंत्र के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। याची 28 अगस्त 18 से जेल मे बंद है। उसे झूठा फंसाया गया है। सीबीआई की तरफ से कहा गया कि याची बडे.षड्यंत्र का हिस्सा है। बैंक धोखाधड़ी से लिया गया रूपया याची के नाम जमा किया गया। अरोड़ा की मदद से महाराष्ट्र बैंक से चार करोड़ का याची ने लोन लिया और फर्जी दस्तावेज से कैनरा बैंक से दो करोड़ का लोन लिया। मुख्य आरोपियों ने षड्यंत्र कर लोन दिलाया। याची की जमानत अर्जी खारिज की जाय। कोर्ट ने पक्ष व विपक्ष की दलीलें सुनने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है।

### गाँव सभा की बंजर भूमि पर कब्जे को लेकर दर्ज नहीं हो सकता आपराधिक केस, मुकदमे की कार्यवाही रद्द

**प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गांव सभा की कथित बंजर भूमि पर अवैध कब्जा-अतिक्रमण करने के मामले में दर्ज आपराधिक मुकदमे को न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग करार देते हुए रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि राजस्व संहिता की धारा 67 में ऐसे मामलों में कार्यवाही की प्रक्रिया विस्तार से दी गयी है। एसडीएम को लेखपाल या भूमि प्रबंधक समिति की शिकायत पर कार्यवाही करने का अधिकार है। ऐसे मामले में लोक सम्पत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। इस कानून के तहत दंगे या प्रदर्शन के दौरान लोक सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने पर ही कार्यवाही की जा सकती है। कोर्ट ने कहा है कि अतिक्रमण मामले में सक्षम कोर्ट से दोष सिद्ध होने के बाद ही आपराधिक कार्रवाई की जा सकती है। गांव सभा की भूमि से अतिक्रमण अथवा कब्जा हटाने की कानूनी प्रक्रिया यूपी रेवेन्यू कोड में विहित है। एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती। यह आदेश न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल ने शाहजहांपुर, बांदा थाना क्षेत्र के गाँव ड्यूहाना के निवासी दो भाइयों मुन्शी लाल व किशोरी सिंह के खिलाफ कायम आपराधिक मुकदमे को रद्द करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा है कि पुलिस चार्जशीट पर न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा सम्मन जारी कर तलब करने का आदेश कानून की अनदेखी करना है। मालूम हो कि 20 जनवरी 18 को सरकारी जमीन पर अतिक्रमण, लोक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में पुलिस ने याचियो के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। जिस पर कोर्ट ने सम्मन भी जारी कर दिया। जिसकी वैधता को याचिका में चुनौती दी गयी थी। याची का कहना है कि विवादित भूमि राजस्व अभिलेख में उसकी पैतृक सम्पत्ति के रूप मे दर्ज है। यदि बंजर भूमि पर अतिक्रमण किया गया है तो राजस्व संहिता के तहत कार्रवाई की जा सकती है। बंजर भूमि सार्वजनिक उपयोग की भूमि नहीं है। जिसका कानूनी प्रक्रिया से नियमितीकरण किया जा सकता है। इस मामले मे लोक सम्पत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई नहीं की जा सकती। राजस्व अदालत से अतिक्रमण साबित नहीं हुआ है। ऐसे में याची के खिलाफ कोई भी आपराधिक मुकदमा नहीं बनता है। कोर्ट ने कानूनी मुद्दों व न्यायिक निर्णयों का हवाला देते हुए दर्ज आपराधिक मुकदमे को रद्द कर दिया है।

# जेल में डालो चाहे नौकरी से निकालो, निजीकरण नही होने देगें : मनोज पांडेय

**प्रयागराज।** संयुक्त ट्रेड यूनियन व इण्डियन रेलवे इम्प्लॉइज फेडरेशन के आवाहन पर नार्थ सेन्ट्रल रेलवे वर्कर्स यूनियन के कार्यकर्ताओं ने रेल बचाओ देश बचाओ अभियान के तहत कोरल क्लब में मशाल जलाकर रेल बचाने का शपथ लिया। रेल के साथियों को सम्बोधित करते हुए इण्डियन रेलवे इम्प्लाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नार्थ सेन्ट्रल रेलवे वर्कर्स यूनियन के जोनल महामंत्री कामरेड मनोज पाण्डेय ने कहा कि देश के व्यपारियों की मोदी सरकार देश के सभी सरकारी उपक्रमों को बेचने के बाद रेल को भी निजी हाथों में बेच देना चाहती है।लेकिन ये सरकार जेल में डाले चाहें नौकरी से निकाले हम किसी भी कीमत पर रेल में निजीकरण नही होने देगें ।

इस मौके पर कॉमरेड कमल उसरी, डी. बी. सिंह, संजय तिवारी, सैय्यद इरफात अली, विनय तिवारी, ए. एन. मिश्रा, सैय्यद आफताब अहमद, डी. पी. सिंह, भीम सिंह, रुक्मानंद पांडेय, संदीप सिंह, राम किशोर, शिवेंद्र प्रताप सिंह, इफ़्तिखार अहमद, सुनील मौर्य, शैलेश गौतम, आदि मुख्यरूप से मौजूद रहे।

नार्थ सेन्ट्रल रेलवे वर्कर्स यूनियन के कार्यकर्ता शपथ लेते हुए

# चौकीदार पर हमला, दर्ज नही हो रही हैं एफआईआर

**कोरांव।** प्रयागराज के कोरांव तहसील के चौकीदारों ने एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन किया और पीड़ित चौकीदार के साथ हुए जुल्म की शिकायत पुलिस कप्तान से की गई और विधिक कार्रवाई की मांग की।

बतादें कि कोराव थाने के बरनपुर के ग्राम पुलिस चौकीदार आत्मा प्रसाद का आरोप है कि स्थानीय दबंग माफिया ने हम पर जानलेवा हमला किया, इसके खिलाफ स्थानीय थाने पर शिकायत की गई ,लेकिन वहां पर एफ आई आर दर्ज कर उन पर कार्रवाई नहीं हो रही है.। उसका आरोप है कि हमें गम्भीर चोट के चलते कोरांव के सरकारी अस्पताल ने इलाहाबाद रिफर कर दिया, लेकिन पुलिस हमे शहर ले जाने को तैयार नहीं हुई, चोट की वजह से ज्यादा तकलीफ होने लगी तो मजबूरी बस हमारे चौकीदार साथी स्थानीय स्तर पर इलाज कराने को विवश हो गए, हम बार बार पुलिस से कहते रहे कम से कम हमारा इलाज तो किसी अच्छे अस्पताल, जिला अस्पताल में करवाया दिया जाय, लेकिन हमें डॉट कर भगा दिया जाता रहा । हम लोग इसके खिलाफ लगातार प्रशासन का चक्कर लगा रहे हैं लेकिन हम को न्याय नहीं मिल रहा है।

चौकीदारों ने बताया कि आज हम अपने दर्जनों चौकीदार साथियों के साथ सत्तर किलोमीटर दूर से जैसे तैसे करके प्रयागराज कप्तान साहब यानी कि एस एस पी साहब के कार्यलय पर न्याय कि गुहार लगाने आए हुए हैं। और जब तक न्याय नही हो जाता तब तक हम न्याय की गुहार करते रहेंगे। जमुनापार के सामाजिक कार्यकर्ता पंचम लाल ने कहा गांवों में गरीबों दलितों पर हमले बढ़ गये हैं।कानून व्यवस्था पुरी तरह फैल हो गई है,जैसे लगता हैं कि गुंडा राज आ गया है।

इस बावत प्रसिद्ध रेलवे कर्मचारी लीडर का0 मनोज पाण्डेय ने कहा नकली चौकीदार देश की सत्ता संभाले हुए हैं, रेल, सेल, भेल, कोयला, एयरपोर्ट, बैंक, बीमा सहित पूरा देश बेच दे रहे हैं। और असली चौकीदार गुंडों से पिट रहे हैं कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि गजब है योगी मोदी का राज।

कार्रवाई की मांग को लेकर एसएसपी को ज्ञापन सौंपने पहुंचे चौकीदार

# प्रयागराज हलचल



## संक्षेप समाचार

### सातवीं मंजिल से गिरकर मजदूर की गई जान

**प्रयागराज।** झूंसी थाना क्षेत्र के कटका मोहल्ले में स्थित एक निमार्णाधीन इमारत से गिरकर एक मजदूर की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वह सातवी मंजिल पर वगैर किसी सुरक्षा के काम कर रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की।थरवई थाना क्षेत्र के बलीपुर सिकन्दरा गांव निवासी फतेह बहादुर 36वर्ष पुत्र वंशीलाल एक पुत्र एवं तीन बेटियों और पत्नी निर्मला देवी का भरण-पोषण करने के लिए मजदूरी करता था। बताया जा रहा है कि वह वर्तमान में झूंसी के कटका मोहल्ले में सूर्यनाथ सिंह के निमार्णाधीन इमारत में विगत काफी दिनों से काम में लगा हुआ था। प्रतिदिन की भांति सोमवार दोपहर वह उक्त इमारत के सातवी मंजिल पर काम कर रहा था। इस दौरान वह अचानक जमीन पर गिर गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उसके परिजनों को खबर दिया।

# उपमुख्यमंत्री ने कोविड-19 की किया समीक्षा बैठक, दिये निर्देश

**प्रयागराज।** उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को सर्किट हाउस में कोविड-19 की समीक्षा बैठक में कोरोना संक्रमण को रोकने एवं अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए की गयी व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने पाये। उन्होंने जनपद में सौ अतिरिक्त वेंटिलेटर की व्यवस्था भी सुनिश्चित किये जाने के लिए कहा है। यह भी कहा कि कोविड अस्पताल में प्रति मरीज कितना व्यय किया जाता है, इसकी भी जानकारी लोगों को रहे। उन्होंने एल-1 एल-2 एवं एल-3 अस्पतालों में बेडों की पर्याप्त मात्रा में व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया।

सोमवार को सर्किट हाउस में कोविड-19 को लेकर समीक्षा बैठक करते उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य

जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी ने अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए की गयी व्यवस्थाओं एवं कोरोना संक्रमण रोकने के लिए किए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्रों में जांच के लिए कुल 12 सेंटर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर जांच की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गयी है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मोबाइल टीम द्वारा बड़े-बड़े गांवों एवं कस्बों में जांच की कार्यवाही की जाये, जिससे अधिक से अधिक लोगों का परीक्षण हो सके और कोरोना के लक्षण वालें मरीजों को चिन्हित कर उनकी जांच करते हुए पॉजीटिव पाये जाने वाले मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराये।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड अस्पताल के रूप में चिन्हित प्राइवेट अस्पताल में प्रति मरीज कितना चार्ज निर्धारित है, इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। जिससे प्राइवेट अस्पताल लोगों से मनमानी ढंग से चार्ज न कर सके। उन्होंने होम आइसोलेशन की व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि इसके लिए निर्धारित मानकों का कड़ाई से अनुपालन किया जाये तथा हॉट स्पाट के लिए निर्धारित मानक के अनुसार ही स्थानों को प्रतिबंधित किया जाये। उन्होंने चलाये जा रहे ह्यगन्दगी भारत छोड़ो अभियानह्व के तहत ह्यगन्दगी प्रयागराज छोड़ो अभियानह्व चलाये जाने का निर्देश दिया है।

उपमुख्यमंत्री श्री मौर्य ने राशन वितरण की समीक्षा करते हुए कहा कि राशन वितरण कार्यक्रम के तहत सभी पात्रों को मानक के अनुसार अनिवार्य रूप से राशन उपलब्ध कराया जाये। इसमें अनियमितता या लापरवाही बरतने वाले लोगों के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाये। बैठक में सांसद फूलपुर केशरी देवी पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा सिंह, विधायक शहर उत्तरी हर्षवर्धन वाजपेयी, विधायक कोरांव राजमणि कौल, सांसद इलाहाबाद के प्रतिनिधि के तौर पर मनु कक्कड़, जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीक्षित, नगर आयुक्त रवि रंजन, मुख्य विकास अधिकारी आशीष कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी जीएस वाजपेयी सहित स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारीगण एवं अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# व्यापारी से हुई लाखों की लूट मामले में एक गिरफ्तार, डेढ़ लाख नगद बरामद

**प्रयागराज।** क्राइम ब्रांच एवं मेजा थाने की संयुक्त पुलिस टीम ने दो अगस्त को व्यापारी से हुई लाखों की लूट मामले का खुलासा करते हुए सोमवार एक अपराधी को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक लाख पचार हजार नगद एवं तमंचा और कारतूस बरामद किया। उक्त जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक यमुनापार चक्रेश मिश्र ने बताया कि पकड़ा गया आरोपित मेजा के ऊंचडीह गांव निवासी राजन केशरी पुत्र मानिक चन्द्र केशरी है। टीम ने उसके कब्जे से लूट का एक लाख पचास हजार नगद एवं एक तमंचा और दो कारतूस बरामद किया गया है।

गौरतलब है कि मेजा रोड निवासी नीरज केशरवानी पुत्र रामचन्द्र केशरवानी के घर से 2 अगस्त को मोटर साइकल सवार तीन बदमाश तमंचा सटाकर एक लाख पचास हजार रूपया नगद एवं उसकी पत्नी का जेवरात आलमारी खुलवाकर लूट ले गए। लूट की वारदात की सूचना पर पुलिस मामले की जांच शुरू कर दिया। जांच के दौरान वारदात की प्राप्त हुई बीडियों फुटेज के आधार पर अपराधियों की तलाश जारी थी। वारदात से आक्रोशित व्यापारियों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीक्षित से मिलकर अतिशीघ्र कार्रवाई की मांग किया था। मामले के खुलासा के लिए क्राइम ब्रांच को लगाया गया था। क्षेत्राधिकारी मेजा द्वारा गठित टीम उपनिरीक्षक प्रीत कुमार पाण्डेय एवं उनके सहयोगियों को सोमवार सुबह सूचना मुखबिर से मिली कि लूट का धन बटवारा करने के लिए अपराधी कहीं जाने वाले है। सूचना के मुताबिक टीम ने मीरजापुर मार्ग पर उरूवा चैराहे के समीप पहुंची जहां एक संदिग्ध आता हुआ दिखाई दिया। उसे रोका गया तो वह भागने का प्रयास किया। लेकिन टीम ने उक्त आरोपित को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से टीम ने उक्त धनराषि एवं तमंचा और मोटर साइकिल बरामद किया। पूंछताछ के दौरान उसने बताया कि वह उसका साथी दिव्यांशू मिश्र निवासी टुड़िहार थाना मेजा एवं एक अन्य युवक के साथ वारदात को अंजाम दिया था। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। फरार आरोपी की तलाश में दबिस जारी है।

# श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में प्रयागराज की महत्वपूर्ण भूमिका: उपमुख्यमंत्री

**प्रयागराज।** श्री राम जन्मभूमि आंदोलन में प्रयागराज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रत्येक कुंभ और अर्ध कुंभ मेला में पूज्य संतों द्वारा संगम की पावन भूमि पर जो संकल्प लिया जाता रहा है वह संकल्प 5 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूर्ण हुआ। इस नाते सारी सृष्टि में एक प्रसन्नता का वातावरण है।

उक्त विचार उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को प्रयागराज आगमन पर भाजपा कार्यकताओं के स्वागत एवं अभिनंदन के उपरान्त व्यक्त किया। भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने प्रयागराज की जनता और भाजपा कार्यकताओं की तरफ से सर्किट हाउस में उन्हें अंगवस्त्रम् पहनाकर एवं भगवान श्रीराम की मूर्ति भेंट करके स्वागत एवं अभिनंदन किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज के हिंदू हृदय सम्राट अशोक सिंहल, डॉ. मुरली मनोहर जोशी इत्यादि वरिष्ठ नेताओं और असंख्य कार्यकताओं ने अपना सर्वस्व दिया। मैं प्रयागराज के सभी श्री राम जन्मभूमि आंदोलन के सहयोगियों का अभिनंदन करता हूं, जिनके सार्थक प्रयास और शुभकामनाओं द्वारा यह राष्ट्रीय कार्य पूर्ण हुआ है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता

महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कहा कि श्री राम जन्मभूमि आंदोलन में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या की बहुत बड़ी भूमिका रही है और पूरे प्रयागराज के नौजवानों को राम के काज में लगाने के लिए अथक प्रयास और परिश्रम किया। इस आंदोलन को अपने जीवन का मंत्र बनाया और आज जब अयोध्या के अंदर प्रभु श्री राम के मंदिर का भव्य भूमि पूजन का आयोजन हुआ है। इस दौरान हर्षवर्धन बाजपेई, पूर्व विधायक दीपक पटेल, राजू पाठक, कुंज बिहारी मिश्रा, वरुण केसरवानी, राजेश केसरवानी, अरुण अग्रवाल, रमेश पासी, सुभाष वैश्य, श्याम प्रकाश पांडेय, बबलू केसरवानी, अमित केसरवानी, शशि वार्ष्णेय, रणजीत सिंह, आदि उपस्थित रहे।

# मऊआइमा में एक ही मोहल्ले में निकले आधा दर्जन पाजिटिव

**मऊआइमा।** मऊआइमा कस्बा में कोरोना का कहर निरंतर जारी है। देर रात में तीन पाजिटिवों को कोरोना अस्पताल ले जाया गया था। सोमवार को फिर दो पाजिटिव निकलने से क्षेत्र में कुल संख्या ग्याह पहुंच गई है।

मऊआइमा कस्बा के मोहल्ला गंजियाबाजार में सबसे पहले अशोक कुमार खत्री 67 वर्ष पाजिटिव आए फिर दूसरे दिन उनकी पत्नी पूनम सेठ 65.वर्ष के पाजिटिव आने के बाद उनके सम्पर्क में आए। रविवार को देर रात में संजीव कुमार केसरवानी 46 वर्ष, हिमांशू खत्री 24 वर्ष, अब्दुल मलिक 27 वर्ष पाजिटिव आए। जिन्हें कोरोना अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सोमवार को जांच के बाद गंजियाबाजार के समीउल्लाह 50 वर्ष कोरोना पाजिटिव निकले। उसके बाद सोमवार को ही ग्राम लोकापुर की गर्भवती महिला सुनीता 24 वर्ष कोरोना पाजिटिव पायी गयी। सभी को एम्बुलेंस द्वारा शहर के विभिन्न कोरोना अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मऊआइमा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सा प्रभारी राम गोपाल वर्मा ने बताया कि गंजियाबाजार मोहल्ले में पाजिटिव निकले लोगों के आस पास के सौ घरों में बता दिया गया है कि सभी लोग अस्पताल आ कर अपनी अपनी जांच करा लें। जिस पर लोग बडी संख्या जांच कराने आ रहे हैं। उधर नगर पंचायत के कर्मचारियों ने बैरिकेटिंग का क्षेत्र बढा दिया है तथा पूरे मोहल्ले में सेनेटाइजर किया जा रहा है। इसके पूर्व दो लोग ग्राम रामनगरगंसियारी तथा राफल इनारी पुलिस चौकी का एक सिपाही एंव थाने का एक दरोगा कोरोना पाजिटिव आ चुके हैं ।

मोहल्ले के रास्ते में बैरीकटिंग कर सील करते हुए

### भूमि एवं सम्पत्तियों की मूल्यांकन सूची में 25 अगस्त तक दर्ज कराये आपत्ति

**प्रयागराज।** अपर जिलाधिकारी, वित्त एवं राजस्व एम.पी सिंह ने बताया है कि जनपद प्रयागराज की समस्त तहसीलों से सम्बंधित भूमि एवं सम्पत्तियों की मूल्यांकन सूची वर्ष 2020-21 अनन्तिम रूप से प्रकाशित कर दी गयी है। जिसमें 15 दिवसों के भीतर आपत्ति 25 अगस्त तक प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके पश्चात प्राप्त होने वाली आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा। उन्होंने बताया है कि सम्बंधित तहसील, उप निबंधक, सहायक महानिरीक्षक, निबंधन एवं जिला निबन्धन, प्रयागराज के कार्यालय तथा नोटिस बोर्ड पर निरीक्षण अवलोकन हेतु उपलब्ध है। जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति लिखित रूप से 15 दिवसों के भीतर सम्बंधित उप निबंधन, उप जिलाधिकारी, सहायक महानिरीक्षक, निबन्धन एवं जिला निबन्धन, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रयागराज के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है।

# आम के पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटकता मिला अधेड़, मौत

**नैनी।** कोतवाली क्षेत्र के महेवा पश्चिम पट्टी में सोमवार को एक बुजुर्ग आम के पेड़ पर फांसी के फंदे पर झूलता हुआ मिला। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई और शव देख परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक नैनी कोतवाली क्षेत्र के महेवा पश्चिम पट्टी निवासी बारी लाल (65) सोमवार को उसका शव उसके घर के समीप आम के पेड़ पर फांसी के फंदे से झूलता हुआ मिला। जिससे उसकी मौत हो गई। इस संबंध में एग्रीकल्चर पुलिस चौकी प्रभारी अजीत कुमार सिंह ने बताया कि पूछताछ के दौरान परिजनों ने बताया कि बुजुर्गों की दिमागी हालत सही नहीं था और वह आए दिन इस तरह की हरकतें करता चला आ रहा था। वहीं जांच पड़ताल के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतक बुजुर्ग शराब पीने का भी शौकीन था और परिजन समेत आसपास के रहने वालों से मारपीट भी करता था।

# निरंजनी अखाड़े के केयरटेकर ने एसडीएम करछना से लगाई गुहार

**नैनी।** निरंजनी अखाड़े की संपत्ति को लेकर केयरटेकर व भाजपा कार्यकर्ता के बीच चल रही तनातनी का प्रकरण सोमवार को एसडीएम करछना के समक्ष पहुंच गया, जिसमें उन्होंने नैनी कोतवाल व राजस्व निरीक्षक नैनी को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया है। बता दें कि नैनी स्टेशन रोड पर स्थित भवन संख्या 147/241 व 456/248 नगर निगम के अभिलेखों में निरंजनी पंचायती अखाड़ा दारागंज प्रयागराज के नाम दर्ज है। इस बेशकीमती सम्पत्ति को लेकर अखाड़े द्वारा नियुक्त किए गए केयरटेकर संजय सक्सेना व भाजपा कार्यकर्ता राकेश जायसवाल के बीच पिछले काफी समय से विवाद चल रहा है। बीते शुक्रवार की सुबह उक्त सम्पत्ति के जुज भाग पर कब्जा करने को लेकर दोनों पक्ष आमने सामने आ गए। उस समय 100 डॉयल की पुलिस पहुंच जाने से मामला नैनी थाने पहुंच गया। फिलहाल मौके पर तनाव का माहौल है। इस प्रकरण में भाजपा कार्यकर्ता केयरटेकर पर जान से मार डालने की धमकी देने का अभियोग पंजीकृत कराया है।

निरंजनी पंचायती अखाड़ा का तोड़ गया दरवाजा

### नगर निगम ने चलाया अतिक्रमण निरोधी अभियान

**नैनी।** कोर्ट के आदेश पर नैनी में अतिक्रमण निरोधी अभियान चला कर रोड के किनारे अतिक्रमण करने वालो के खिलाफ जोनल अधिकारी व अतिक्रमण निरोधी अभियान के मुखिया के नेतृत्व में सोमवार को अभियान चलाया गया। इस दौरान कई मकानों के आगे बने रैम को तोड़ कर चेतावनी दी गई। पटरी दुकानदारों से मौके पर जुर्माना भी वसूला गया। अभियान अशोक टाकीज तिराहे से होता हुआ, सब्जी मंडी, मिजार्पुर राजमार्ग होते हुए मेवालाल की बगिया तिराहे तक चला। टीम को देखकर पटरी दुकानदारों में भगदड़ की स्थिति बनी रही। करोना महामारी के प्रसार के मद्देनजर कोर्ट ने सड़क पर अतिक्रमण और वहां जमा हो रही भीड़ पर गहरी नराजगी जताते हुए अभियान चलाने का आदेश दिया है। इसी क्रम में नैनी में अभियान चलाया जा रहा है। यह जानकारी अतिक्रमण निरोधी अभियान के मुखिया मनोज यादव ने दी।

# अधिकतम लोगों तक पहुंचने का सामर्थ्य दूरस्थ शिक्षा में : कुलपति

**प्रयागराज।** लचीलेपन एवं तर्क अभिगम्यता के चलते दूरस्थ शिक्षा की लोकप्रियता बढ़ रही है। साथ ही न्यूनतम लागत पर अधिकतम लोगों तक पहुंचने का सामर्थ्य दूरस्थ शिक्षा में है। ऐसे समय में जहां शैक्षणिक संस्थाएं बंद पड़ी हैं, मुक्त विश्वविद्यालय में नामांकन जारी है एवं सुरक्षात्मक कारणों से अभिभावक एवं छात्र दूरस्थ शिक्षा को अपना रहे हैं। उक्त विचार उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने सोमवार को क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र समन्वयकों की ऑनलाइन कार्यशाला में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शिक्षार्थियों एवं अध्ययन केंद्रों के बीच बेहतर संवाद एवं संविमर्श स्थापित करने के लिए इस सत्र में पहले वर्चुअल एवं बाद में स्थिति सामान्य होने पर वास्तविक रूप में अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिससे सभी शिक्षार्थी दूरस्थ शिक्षा की व्यवस्था से सुपरिचित हो सकें। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों की कार्यशाला में ऑनलाइन प्रतिभाग कर रहे अध्ययन केंद्रों के प्राचार्यों, समन्वयकों एवं कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह का स्वागत क्षेत्रीय केंद्र कानपुर की समन्वयक डॉ. शुचिता चतुर्वेदी ने किया। कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी निदेशक प्रो. पी.के पांडेय ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ. गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया।

कुलपति प्रो केएन सिंह

### पेंशन बहाली के लिए प्रतिबद्ध : डॉ हरि प्रकाश यादव

**प्रयागराज।** पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन तथा अटेवा पेंशन बचाओ मंच उत्तर प्रदेश के आवाह्न पर सोशल मीडिया का सहारा लेते हुए 8 अगस्त को देश के समस्त कर्मचारियों द्वारा प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, वित्त मंत्री एवं अपने-अपने प्रदेश के मुख्यमंत्री के ईमेल पर न्यू पेंशन स्कीम रद्द कर पुरानी पेंशन बहाली हेतु ज्ञापन भेजा गया और 9 अगस्त को ह्वअंग्रेजों भारत छोड़ोह्व आंदोलन की वर्षगांठ पर एनपीएस निजीकरण भारत छोड़ो हैशटैग करते हुए प्रधानमंत्री, वित्तमंत्री, रेलमंत्री, गृहमंत्री, मुख्यमंत्री आदि से देश के लाखों कर्मचारियों द्वारा ट्विटर के माध्यम से पुरानी पेंशन बहाली की मांग की गई।

### सपा नेताओं के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी से सपाइयों में रोष

**कोरांव।** समाजवादी पार्टी के कोरांव विधानसभा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता पूर्व प्रमुख रामानुज यादव के आवास पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए बैठक आ हूत की जिसमें कई दिनों से समाजवादी पार्टी के बड़े नेताओं को छोटी मानसिकता के लोगों द्वारा गाली गुप्ता दिया जा रहा उस पर मंथन किया गया। आपको बता दें। कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री विकाश पूरुष आदरणीय अखिलेश यादव को एक अशोक जयसवाल नाम की आईडी से अभद्र टिप्पणी की गई । जिसकी शिकायत कोरांव थाने पर पार्टी के कार्यकताओं ने की ।इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के प्रदेश के नेता प्रयागराज में समाजवादी क्रांति एवं लोहिया के सिद्धांतों को जगाने वाले आदरणीय नरेंद्र सिंह को भी कुछ लोगों द्वारा अपशब्दों का प्रयोग करते हुए उनके ट्विटर पर गाली देने का काम किया ।जिसमें मेजा थाने में एफआईआर पंजीकृत कर लिया गया है। कोरांव विधानसभा के वरिष्ठ नेता राधेश्याम यादव ने कहा कि जो इस तरह से बड़े नेताओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी का प्रयोग किया जा रहा है ये छोटी मानसिकता के लोगों का कायराना हरकत है। यदि 2 दिन के अंदर कार्रवाई नहीं हुई तो सपा कार्यकर्ता सारी बंदिशे तोड़कर सड़क पर उतरने का काम करेंगे ।जिससे शासन प्रशासन के लिए समस्या खड़ी हो सकती है ।क्योंकि हम लोहिया के लोग लोहिया के सिद्धांतों पर – मारेंगे नहीं पर मानेंगे भी नहीं– जब समाजवादी पार्टी का कार्यकर्ता सड़क पर उतरने का काम करेगा तो उत्तर प्रदेश के सभी जेले छोटी नजर आऐगी। वरिष्ठ नेता चित्रशेन तिवारी ने इसकी कड़ी निंदा की।

# बंद मकान से नकदी समेत लाखों की चोरी

**नैनी।** औद्योगिक क्षेत्र के चक पूरे खुर्द गांव में बीती रात चोरों के एक गिरोह ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए हजारों रुपए नकदी, जेवरात सहित अन्य उपकरणों पर हाथ साफ कर फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र के चक पूरे खुर्द, मियां का पूरा निवासी नारायण गिरि पुत्र स्वर्गीय उदयगिरि पान सामाग्री का कारोबार करते हैं। वह रविवार को अपनी पत्नी श्वेता गिरि और दो बेटियों को साथ लेकर अपने ससुराल नैनी कोतवाली क्षेत्र स्थित श्री सोमेश्वर नाथ मंदिर आए हुए थे। सोमवार सुबह लगभग नौ बजे वह परिवार समेत अपने घर पर पहुंचे तो मेन गेट का ताला टूटा देख दंग रह गए। भुक्तभोगी के मुताबिक चोर मौका पाते ही बंद मकान का ताला तोड़कर अंदर दाखिल हो गए और कमरे में रखे अलमारी का लॉक तोड़कर लगभग 30 हजार रुपए नकदी, सोने चांदी से निर्मित जेवरात, दो एलईडी टीवी, इनवर्टर, बैट्री, गैस सिलेंडर, पचास किलो सुपाड़ी समेत बर्तन व अन्य सामान चोरी कर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटित वारदात की जांच पड़ताल की। भुक्तभोगी ने रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पुलिस को तहरीर दी है। समाचार लिखें जाने रिपोर्ट दर्ज नहीं हो पाया था। बता दें कि नारायण गिरि के मकान में लगभग एक वर्ष पूर्व भी चोरों ने लाखों रुपए के जेवरात चोरी कर फरार हो गए थे। जिसका खुलासा पुलिस अब तक नहीं कर पाई है।

चोरी के बाद चोरों द्वारा बिखेरा गया सामान

प्रयागराज मंगलवार, 11 अगस्त, 2020

# क्रियायोग सन्देश

# क्रियायोग के आभामंडल में मनेगी कृष्णा जन्माष्टमी

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान में कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व क्रियायोग ध्यान के आभामंडल में मनाया जाएगा। कृष्ण जन्माष्टमी मनाने का प्रमुख लक्ष्य कंस भाव का कृष्ण भाव में रूपांतरण, क्रियायोग ध्यान की गहराई में उतरने पर कंस शब्द के अंदर छिपे ज्ञान का अनुभव होता है। कंस शब्द 'कं' व 'स' से मिलकर बना है। 'कं' का अभिप्राय कर्म की निरंतरता से है। 'स' का अभिप्राय (जीवन) अग्रषित होता है। जीवन की चैतन्य में रूपांतरित करें।

से है। जब मनुष्य कर्म की निरंतरता को प्रथम वरीयता देता है और जीवन को द्वितीय तो वह शारीरिक बीमारियां मानसिक अशांति एवं अज्ञानता के विभिन्न स्वरूप में उलझ जाता है। भगवान श्री कृष्ण ने शिक्षा दिया है कि कर्म करने का लक्ष्य जीवन की अनुभूति और जीवन के विस्तार से है। जब यह लक्ष्य मानकर कर्म किया जाता है, तो कर्म करने से मानव अस्तित्व योग अवस्था की ओर अग्रषित होता है। जीवन की

अनुभूति के पूर्णता,, में पहुंचने पर मनुष्य द्वारा किया हुआ कर्म ब्रह्मा, विष्णु एवं शिव द्वारा किए कर्म के समान हो जाता है। भगवान श्री कृष्ण ने कंस को मारा नहीं था बल्कि कंस को सर्वव्यापी विष्णु शक्ति से संयुक्त कर दिया था। क्रियायोग ध्यान से अपने अंदर कंस चैतन्य को कृष्ण चैतन्य में रूपांतरित करें।

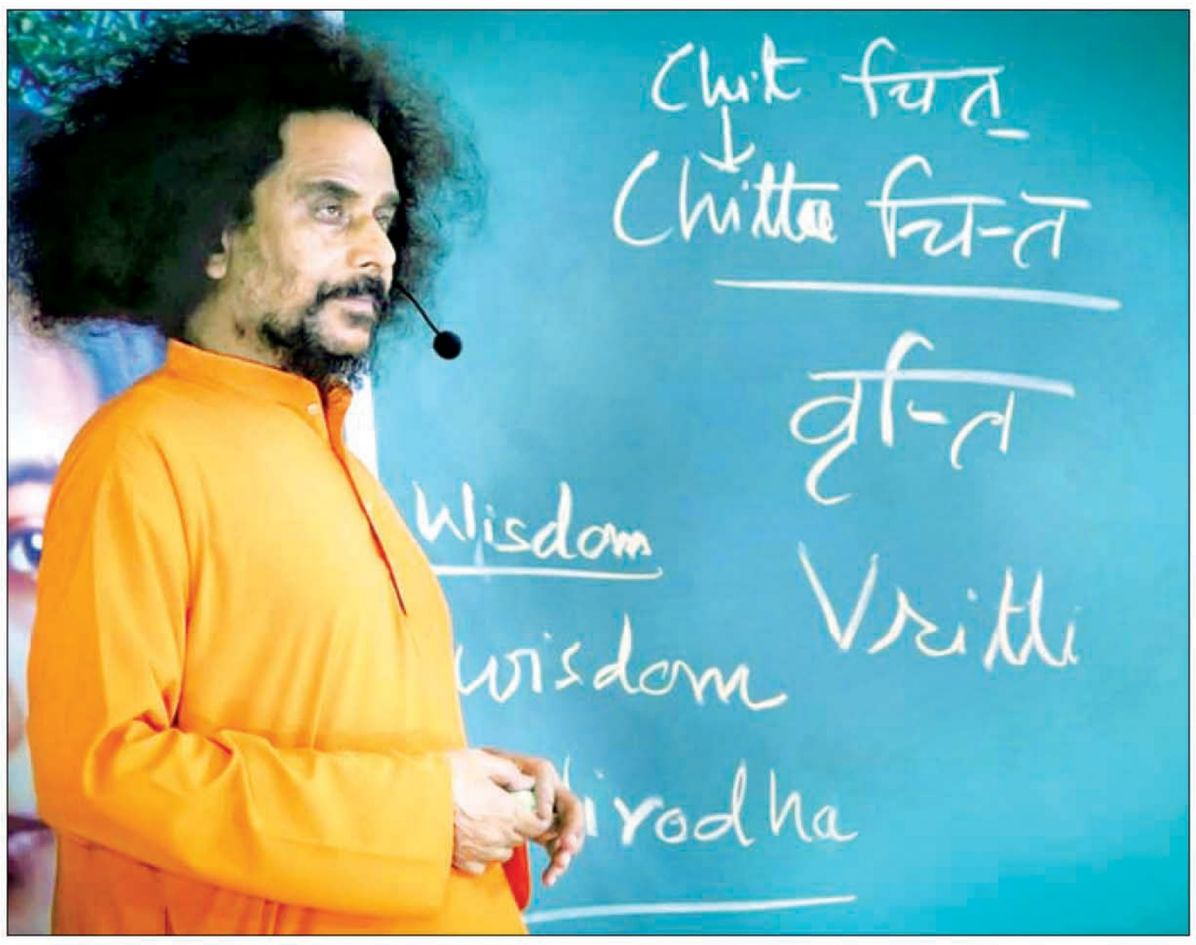

क्रियायोग आश्रम झूंसी प्रयागराज में साधकों को सत्-चित्-आनंद की अवस्था की जानकारी देते क्रियायोग गुरू योगी सत्यम

क्रियायोग साधना करते साधकगण

# क्रियायोग ध्यान से सत् चित्-आनंद की प्राप्ति

योग अवस्था में मनुष्य को आदि-मध्य-अंत व अतीत-वर्तमान-भविष्य सबकी अनुभूति हो जाती है। योग अवस्था को ही सत्-चित्-आनंद की अवस्था कहते हैं। सत् का संबंध सनातन स्थिति से है सनातन स्थिति में संपूर्ण ज्ञान की अनुभूति होती है। चित्- कहते हैं। सत् चित उसी तरह से संयुक्त है जैसे आग और आग में गर्मी। सत चित की अवस्था में जिस सुख की अनुभूति होती है उस सुख को परमानंद कहते हैं। सत् चित-आनंद में आनंद शब्द परमानंद को व्यक्त करता है। मनुष्य के जीवन का लक्ष्य है, सत् चित्-आनंद की अनुभूति करना। सामान्यतया सत् चित्-आनंद की अनुभूति प्राप्त करने में व्याधिरहित 10 लाख वर्ष जीवन की आवश्यकता पड़ती है। क्रियायोग ध्यान से इस लंबी अवधी को बहुत कम किया जा सकता है। खुशी और पूरी एकाग्रता से 50 मिनट क्रियायोग ध्यान की दीक्षा वाली क्रिया करने पर मनुष्य बौद्धिक विकास के उस स्तर पर पहुंचता है। जिसे पाने में 100 वर्ष लगता है।

# Yoga is "Chitta Vritti Nirodha" (चित्त वृत्ति नीरोध)

Generally, persons who are not experiencing one-ness with God are governed by time, distance and space, which are tools of Maya.

Realized Masters such as Lord Ram, Krishna, Buddha, Guru Nanak, Muhammad, Sant Kabir, Yogiraj Lahiri Mahasaya, Gyanavatar Sri Yukteswar Giri, Paramahansa Yogananda etc. are not governed by Maya, nor affected by Yugas, time and space. In the structure of the Origin of Creation as described in The Holy Science by Sri Yukteswar Giri ji, and also taught by Guruji, we come to know that from Chit ( God ), Chitta ( power of thinking ) came out. From Chitta, Ego, Wisdom, Mind, Sense Organs, Organs of Actions, Tanmatras and gross elements - sky, air, fire, water and earth - are manifested, and are known as 'Chitta vrittis'. In Patanjali's Yog Darshanam (Yoga Sutras), it is stated that "Chitta Vritti Nirodha" (चित्त वृत्ति नीरोध) is Yoga. 'Nirodha' means to bring all the structure and function of the vrittis under our control. When we understand the structure and function of Chitta ( vrittis ), we will be able to have control over them. Then, we will be able to manage Maya.

Kriyayoga Science explains how to understand chitta vritti, how to create them and also make changes to them as required. Then we will be able to create/rejuvenate all organs within - lungs, heart, kidneys, teeth etc. like Mahavatar Babaji.

As this is the age of Dwapar Yuga, which is the time when Chitta ( power of thinking ) and Ego ( self-preservation power ) are becoming more dominating, it is essential to bring them under our control.

Spirituality too is a dream ( Maya ), but one which is nearest of near to God, which can help us experience 'I and God are One' (Aham Brahmasmi ).